Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to promote Marshal Art, especially Karate game in country.

श्री अब्दुल खालेक (बारपेटा): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद । मैं कराटे गेम के बारे में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । पहले कराटे गेम ओलंपिक में नहीं था, लेकिन वर्ष 2020 में टोकियो में जो ओलंपिक होगा, उसमें यह इनक्लूड हुआ । टोकियो ओलंपिक में इंडिया का कोई रिप्रजेंटेशन नहीं है, लेकिन पिछले वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में जो कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप हुई थी, उसमें भारत के आठ बच्चों को जूनियर और सब-जूनियर में गोल्ड मिला था ।

महोदय, खेल मंत्री नॉर्थ-ईस्ट से आते हैं । असम के तीन खेलवार, कराटे प्लेयर निशाद अली, हेम्फू बोंगजंग और पंचामिता बरदोलाई, इन तीनों को गोल्ड मिला था । अरुणाचल प्रदेश, जहाँ से खेल मंत्री किरेन जी आते हैं, वहाँ से भी राजा यांगफो और मौजुम डोडूम को गोल्ड मिला था । जूनियर और सब-जूनियर में हमें आठ गोल्ड मिले और उनमें से पाँच गोल्ड नॉर्थ-ईस्ट के प्लेयर्स को मिले हैं । सीनियर लेवल पर हमारा कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, क्योंकि हमें कोचिंग नहीं दी गई और इस खेल को प्रोत्साहित करने के लिए जो कुछ करना चाहिए था, वह नहीं किया गया । मैं पहले विधान सभा में रहा हूँ । मैंने वहाँ मुख्य मंत्री जी को भी इस संबंध में रिक्वेस्ट की थी, लेकिन इन बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ नहीं दिया गया । मैं खेल मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि कराटे को प्रोत्साहित किया जाए ।

महोदय, मैं दो बार विधान सभा में रहा हूँ । मैं सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों में रहा हूँ, लेकिन यहाँ मैंने देखा कि आप लिस्टेड को भी मौका देते हैं और अनलिस्टेड को भी जीरो ऑवर में बोलने का मौका देते हैं । आपने हमें भी बोलने

का मौका दिया है । हम आशा रखेंगे कि आप आगे भी यह सुविधा हमें देंगे । हम यह भी आशा करेंगे कि खेल मंत्री जी कराटे गेम को आगे ले जाएंगे । धन्यवाद ।